है अपना दिल तो आवारा, न जाने किस पे आयेगा

हसीनों ने बुलाया, गले से भी लगाया

बहुत समझाया, यही न समझा

बहुत भोला है बेचारा, न जाने किस पे आयेगा

है अपना दिल तो आवारा ...

अजब है दीवाना, न घर ना ठिकाना

ज़मीं से बेगाना, फलक से जुदा

ये एक टूटा हुआ तारा, न जाने किस पे आयेगा

है अपना दिल तो आवारा ...

ज़माना देखा सारा, है सब का सहारा

ये दिल ही हमारा, हुआ न किसी का

सफ़र में है ये बंजारा, न जाने किस पे आयेगा

है अपना दिल तो आवारा ...

हुआ जो कभी राज़ी, तो मिला नहीं काज़ी

जहाँ पे लगी बाज़ी, वहीं पे हारा

ज़माने भर का नाकारा, न जाने किस पे आयेगा

है अपना दिल तो आवारा ...

है अपना दिल तो आवारा

न जाने किस पे आएगा ...

(रुकेगा न रुका है न जाने धुन ही क्या है

कभी ये रस्ता है कभी वो रस्ता) - २

फिरे है दर बदर मारा

न जाने किस पे आएगा ...

(किसीसे ये मिला था बताए कोई क्या था

बेदारी का समा था के था वो सपना) - २

ख़ुद अपने दर्द से हारा

न जाने किस पे आएगा ...